CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

(I.)

SCANNED

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

ॐश्रीगणेशायनमः॥ आदेसगुरुतेरानावं
घोंटघोंटकापुत्रनरघोंटा। नरघोंटकापुत्र
अजनाथा। अजनाथकापुत्रव्यासघल्ला। व्या
सकीपुत्रीव्याधवपडी। तेरीआदजागमुउना
दजागु॥ माघेमासेतुउतपनी॥ मघेनक्षत्रेतु
नपंनी॥ वांसेचउदसेतुउतपंनी। मंगलेवारेतु
नपंनी। जाहरेवयडीतुपछुनी। लुणेगुडेतुउत
पंनी। जाहरेवयडीपछुनीआटेमिंठेतुउतपंनी
जाहरेवयडीतुपछुनी। हींगेतुडकेतुउतपंनी॥
जाहरेवयडीतुपछुनी॥ गुडगोगाजगोतुउतपंनी

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

नाडेरेवपडीतुमछुनी॥ व्याधकहेमेकांहोवसु॥
कयालेवसुतेतेभ्यरवसे॥ तेतेतेराघरठावनन
ही॥ तेतेतेव्याधचलीनसणा॥ छोडरकारव्या
धवेदकालावुहारा॥ उतरव्याधघोवेपासए
तेतेवहलीजारा॥ हाडगोडेसंकेरांसेघाटेशलो
घोरद्वारफुटमेरे॥ व्याधकहेमेकाहांवसुमे
माथेवसुमाथेकरमरेहे॥ एतेराघरठाउनही
व्याधचलीनसणा॥ हाडगोडेनहीठाउघो
रद्वारफुटमेरे॥ व्याधकहेमेकहांवसुनैनव
सुनेनादेवी॥ व्याधकहेमेकांहोवसुमेका

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

.CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

नेवसु कानेईश्वरवसे रतनेतेरांघरठाउनाही
वसेनहीडोहनहीठांवजाहरव्याधीसतुपता
ला रतनेतेव्याधचलीनसग्गा हाडेगोडेगाठे
सलेरुंरुंरांरुंफुटमरे उतरवांवेंयारुरतनुवहू
लीजायू घोरद्वारफुटमरे व्याधकेहेमैकोहो
वसु नाकेवसुनाकेनाकसावसे रतनेतेराघर
ठाउनाही व्याधचलीनसग्गा हाडेगोडेगाठे
सले रुंरुंरांरु फुटमरे उतव्याधवांवेंयारु
रतनेतवहूलीजारु दाहणीवुहारुवांवीउतारु
व्याधकेहेमैकोहोवसु जीभवसेजीभईश्वर

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

वसे एतेते घर ठाव नही उत्तर व्याध बांधे जाए
एतेते वहली जाए हाडे गोडे रुंधे राए फुट म
रे दाहणी वुहारु बांधी उत्तारु ठ वषट स्वाहा
व्याध कहे मे का हांवसु दंदे वसु दंदे चर चषिधा
इस्यर वसे एतेते घर ठाव नही व्याध चली
नसरणा हाडे गोडे रुंधे रोए शठ सले नही ठाव
दाहणी वुहारु बांधी उत्तारु ठ वषट स्वाहा
व्याध कहे मे का हांवसु क्याडी वसु क्याडी कुंव
रावसे एतेते घर ठाव नही उत्तर व्याध बांधे
याए एतेते वहली जाए हाडे गोडे शठ शले

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

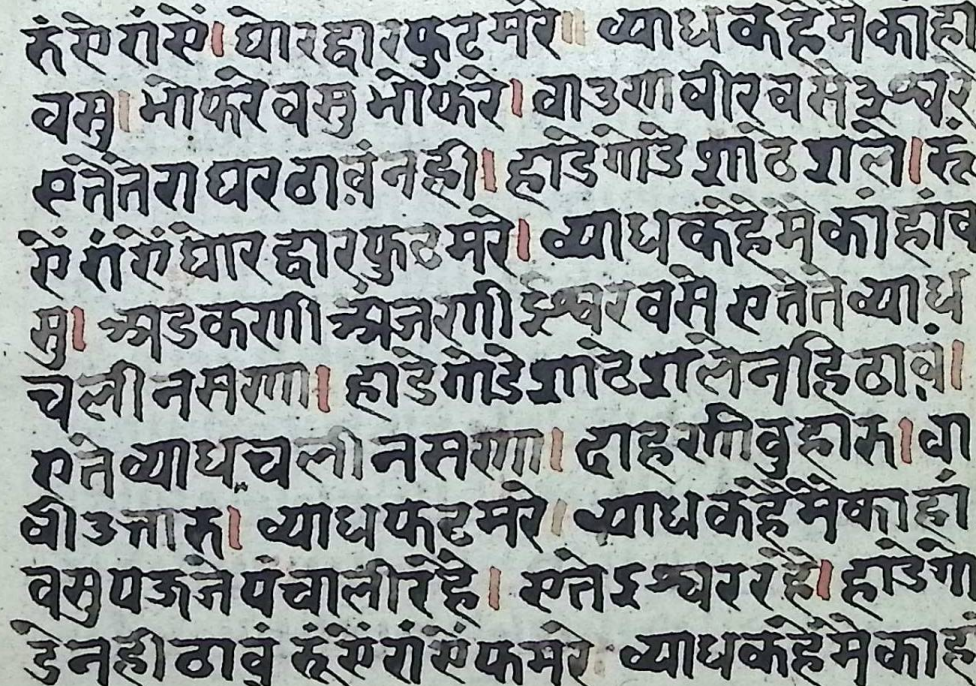

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

वसु ह्रां घेवसु ह्रीं धर्मराजा वसे एतेते राघर
ठावं नाही एते व्याध चली नसरणा हाडगो
डेशाठे सेलेन ही ठावं हूंफें रोंरोंफुट मेरे ठठफ
ट स्वाहा व्याधकेहे मेका हांवसु मेहीरदेव
सु हीरदे पंचभू आत्मावसे एतेते राघर ठावं
नाही हाडगोडेशाठेशालेहूंफें रोंरोंफुट मेरे
घोर द्वार वहली जाओ व्याधकेहे मेका हांव
सु मेनाभी वसु नाभमेंबह्मावसे एतेते राघ
रठावं नही एते व्याध चली नसरणा हाडगो

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

उनहीं ठावं शाठे सले रुरु रांरं फुट्ट मरे। दाह
णी बुहा रुवा वी उतार। ठटः फट्ट स्वाहा। ध्या
धक कहे मैं का हां वसु। मैं गोद्धे वसु। गोद्धे पंच सं।
ध्या वंसे। एते तेरा घर ठांवं नहीं। उतरे ध्याध वांवें
पावं॥ एते तु वहली जारु। हाडे गोडे शाठे सले॥
नहीं दावं। एते ध्याध चली न सरणा। हाडे गोडे रु
वें रांरं फुट्ट मरे। ध्याधक कहे मैं का हां वसु। उरु रे
वसु उरु ईश्वर की वाचा पड। एते तेरा घर ठावं
नहीं। ध्याध चली न सुरणा। हाडे गोडे नहीं दावं॥
रुरु रांरं शाठे सले फट्ट मरे। दाहणी बुहा रुवा

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

वीउन्नारु। घोरद्वार फटमरे। व्याध कहै मैका हां
वसू। रावटे वसु। रावटे राउल वसे। एतेते राघर
ठावं नही। दाहणीवु हारु वावीउन्नारु। हाडेगोडे
साठसले। रूंरूंरूंरूं। घोरद्वार। फटमरे॥ व्याध
कहै मैका हांवसू। जानुवे वसू। जानूजनकरी
ओवशे। एतेतेतेरा घरठावं नही। एतेव्याधच
लीनसरणा। दाहणीवु हारु। वावीउन्नारु। हाडे
गोडेनहीठावं। रूंरूंरूंरूंफटमरे। एतेव्याधच
लीनसरणा। व्याधकहै मैका हांवसु। नलीव
सुनलीनलहाडी ईश्वरवसे। एतेतेराघरठावं

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

नही। उतर व्याधवाडीपार। एनेतुवहलीजा।
हाडेगोडेकुररोग। शाठशले नेरगपरागा घोर
द्वारफटमेरा। एनेव्याधचलीनसरगा। व्याधक
हैमेकाहांवसु। पीलीवसुपीली। प्रेमेश्वरकीवा
चाइश्वरवसे। हाडेगोडेनेरगप्ररोगा। शाठसले
नहीठावं। घोरद्वारफटमेरा व्याधकेहैमेकाहां
वसु। गढेलुरवसु। गढेलुरइश्वरकीवाचापडे।
एनेतेराघरठावंनही। व्याधचलीनसरगा। हा
डेगोडेनहीठावं। नेरगरोगफटमेरा। व्याधकेहमे

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कांहांवसु । अंगुलीवसु कांगली । कामा माइवसे
एनेतेरा घरडाव नही । दाहगावु हारुवावीउ
नाम । उत्तर व्याधवावो पाए ॥ एंतनुवहलीजा
ए । हाडेगोडेभाठेसेले । नहीठांवे । सूंएंरोंएं फ
डूमरे । नदीपारसेगारुडी आया । कठोत्र पोंपो
वेंजदा आया । कोरा व्याधि । नवनुनारी २वा
रावासु । चोरासीफोडी । जालीकरु भस्माभूत ॥
मेरीभक्तगुरुकीशक्तिफुरमंत्रईश्वरकीवाचा ॥
कोराकोराफोडी । कालीफोडी । धवलीफोडी
रतांलीफोडी । नीलीफोडी । ककरायफोडी । वा

रामा ॥ ५

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

रुफोडी। अरोलाफोडी। खुमलीफोडी। भाटली
फोडी। वाहलाफोडी। लोदीफोडी। वालीफोडी।
चचलीफोडी। पपलीफोडी। कनसुतलीफोडी।
चकराफोडी। भटलीफोडी। छुलोडीफोडी। दंडा
रुम्आफोडी। वाजीफोडी। वछेरीफोडी। वांसीफो
डी। मारुफीफोडी। सीतलाफोडी। लोदाफोडी। क
कडाफोडी। वोदरीफोडी। तुरकिफोडी। [redacted]
तुराधिफोडी। गुजरातिफोडी। लोहाफोडी। द
रोहीफोडी। चंचलीफोडी। अथमंत्रः। वनमे।
व्याईव्यंतरा जिनजाया हणमंत। वधकछुरा।

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

लीयरोलातिनो जाहि भस्मंत ॥ ॐ ह्रीं नः नः ठः
ठः स्वाहा ॥ अथ सर्पमंत्र ॥ धुरी धुरी वधः जायो
रेवियसरग पताल । जवलग पहूचे गुरुकी आण
वधदी याइरण मंत पुरवान फुरहो मंत्र ईश्वरीवा
चा १ तीनवार २ मिटी का वधदेणा । सिर वंधइ
वार । फेर छतिवार २ फेर डंकनो वधवार २ इति
अथ मंत्र व्याधिका ॐ आदेस गुरुको धरती
मातावो आदेस योनयानी को आदेस । माता
पिन्ना को आदेस । सात चेले सात भेर सात वेदस
वैरकी पाला व्याधेकीया उगार । कमलकी

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

डालीलिया उत्तार। उहो जणा याकमलकाफू
लघोराजोगी लिया उत्तार। साने विया जननी
नला पहली विया सीतला कहाये दुसरी वि
या दाधरा कहाये। तीसरी वीयारक्तपित्तीकहा
ये चोथी वीयारतांजली कहाये पंचमी विया
ननाई कहाई अस्मी वियागलघुटी कहाये। स
प्तमी विया काकडाकहाये। सीतला कहीये व्रा
सणकी वेटी। दाधराक हीये कोलगानकी वे
टी। रक्तपित्तीक हीये चमारकी वेटी। रतांजली
कहीये छिंवीकी वेटी ननाई कहीये तेलनकी

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

ॐ
मं. ७

वेटी। गुलघुटी कही केवाटी की विटी। काकडा
जहाँ ये सून्या रकां वेटा। सोनवी आली या ऊता
रा। जाये के वेठा सरवर की पाला। ताहां ऊपाया
सम्हालू का बूटा। ताहां ऊपाया मोर का पाय
ऊंहा गरुडने लीया ऊतार। सोनवि आलिग
ईयु ताला ढंढा ढंढी गरुड आडा। लेके आर
समुंद वहा आ। लेके वेठा सतुरु पताला ऊपर
मारु वज्र का ताल। का गी आडा वा करी वि
आट ढंढी आडे। चुगी चारी वि आलय आडे
जाये के वेठा सतुये पताल। ताहां ऊषाया सीम

राम:॥
७

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

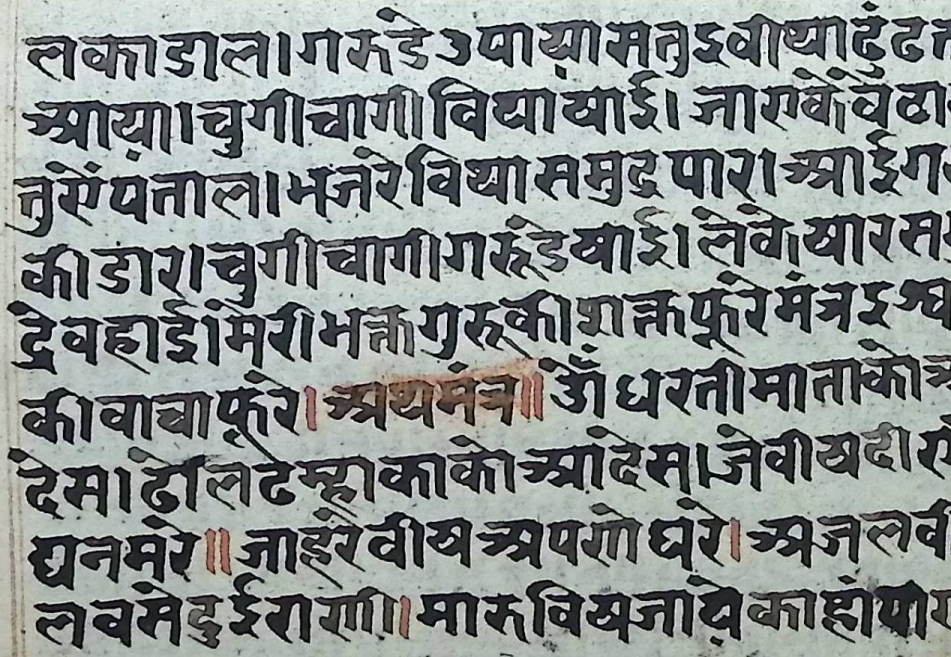

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

स्थावर जंगमा वीय लि[illegible]छीना पाणी दीजे
चुली तीन ॥ वाहले मंत्र ॥ काला वोला वाहला । काल
अनाभारी दमाभारी । दमांते सुहाला चाल चे
लणा । नो चला मेतेरि वाहला वंधदेउ । कोणा को
णा वंधा जहर वंधा जगत वंधा । नीर वंधा । स्थि
र वंधा उसवंधते आगे चले नो अपणी माना
पित्रा की सेज्या पांव धरे फूर मंत्र ॥ अथ विष
मंत्र ॥ अंचले दे राणी पथर घोल करो विष पा
णी । चटक चुली पिलो ओनीन विष का भारू
लेऊ छीना मिरा भक्ति गुरु की शक्ति ॥ अथ सवे

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

व्याधि मंत्र॥ धरती बीजो तिल कपास सो व्यो
कात्या ना गछे मास। नीरवंध पीरवंधा ती
नाके साडे वंधा राम की कछोटी वंध हणमं
तवंधा गुगलीन नारी ब्रह्म सुतली लूत पगा
लूत अगिलूत कराखचमल अठोतरसे
व्याधी झाडा कोराभस्मा भूत मेरी भक्ति गुरु की
शक्ति फुरहो मंत्र ईश्वर की वाचा॥ अथ मंत्र
शशो मूसे का॥ ॐ मीणा मीणा खेती या स।
अपणी छोड वडाणी जाय्या चावक की मिटी
चोराहे की गटी समुद्र की खाइ॥ शशा मूसा

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

साहे सजोहे सिउं पराइ। मेरी भक्ति गुरु की शक्ति॥ अथ शूलमंत्रा। ॐ शूले पेटे शूली राम लक्ष्मण हृत्ती फलाणो लागी पेटे वेदन फलाणो दीता पाणी पारस मुद्र नव जागरणी त्र्यनचेत्र पणवेंत्रे पेटे शूल चूकावे। मेरी भक्ति गुरु की शक्ति॥ अथ मंत्र लिजारी का॥ ॐ वन व्याघ्री अंजनी जिन जाया हणमंत। तापत जारी चोथ्ये ग्राये तीनो भस्मंत। मेरी भक्ति गुरु अथ ज्वर गायत्री॥ ॐ भस्मायुधाय विद्महे रुद्र नेत्राय धीमहीन्नन्तो ज्वर प्रचोदयात्॥ ३

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

तिज्वर गायत्री ॥ अथ कीडे का मंत्र ॥ ब्राह्मण
वेरी रंडी के रेड मरा आतवे कीडे कडे । या रंडी के
जन्म या पूत । कीडे जावे भस्मा भूत । मेरी भक्ति
गुरु की शक्ति ॥ अथ मंत्र डंकणी का ॥ राती मेजा
री डंकणी बांधो । भूकणी संहारी राती डंक डंक
णी डंक गया सवे पयाली घूमे आरु विलावे ॥
इण मंत्र जती गाजे कनक मारवण जाय तो गो
रख नाथ मी लाजे । मेरी भक्ति गुरु की शक्ति ॥ अ
थ मंत्र विछू का ॥ पार समुद्रे वेडण वाडी । नि
सवे भे निसमे रवले केल भराडा । केल भराडि

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

स्का ता गोरा ॥ तिस ते उपन्या विछू लोहा ।न
वंडक स्रदारा का ती । डाणा विछू स्रोतेरि
या जाती । सुरत । शील रूपेवता । स्राणा वि
छू एभनोमस्या । मेरी भक्ति गुरु की शक्ति फुर
हो मंत्र ईश्वर वाचा ॥ मंत्र शशी मूशी का ॥ शशी
मूशी चंदेवाहरण ॥ दीजो चंडालो रहसाजे
उहसीवसे नही करता । मेरी भक्ति गुरु की श
क्ति फुरमंत्र ईश्वर वाचा फट स्वाहा ॥ राय दी
ढेरी कीजे कार दीजे न स्रावे ॥ स्रथ कमला
वाइदा मंत्र ॥ काला धोला दोनो भाई का

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

लावंध्याकहूनजाय। त्रियाकोपतेलेपा।गि
होएजाएगुरुकीशुक्तमेरीभक्तफुरमंत्रईश्व
रीवाचाफुरे।२। अथदादपीडाकोमंत्र॥स
मायलसहिएहमंत्रसातवारपढे सायकम
लछुडाकेकरेदादकोकागदपरलिखाव
रेमंत्रदाउपीडादूरहोए॥ अथआयीठेका
णीदामंत्र ओंलोहूनपाकेलोहूनपूवे। लोहूप
डेनहोए॥ श्रीगोरखनाथकहयाभाई॥मिली
करीआयीदीपीडाचुकाई। गुरुकीशक्ति।
अथवाअथयोनीलदाअथनालीदामंत्र॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

ॐ
मं॰
११

वाद्य यशोला ओर अखनाली इनो मंत्रे करी
वेनटाला लंका साकोट समुद्र सी आई इसपि
डे वेदन रहे तो हनुमंत जना वाचा फुरो॥ अथ
मंत्र पेट पिडका॥ रामनो विछु मारियो॥ हराम
मान या घि मोरालुण पाणि छाणियो रेथी
चुकी महादेव की मूत फुर मंत्र ईश्वर की वाचा

१०	११	२	३	आ	३४	३५	२	३	भूत
६	३	१४	१३	ध	६	३	३६	३५	जा
१६	११	८	१	सी	३३	३२	८	२	क
४	५	१२	१५	सी	४	५	३४	३३	नी यंत्र

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

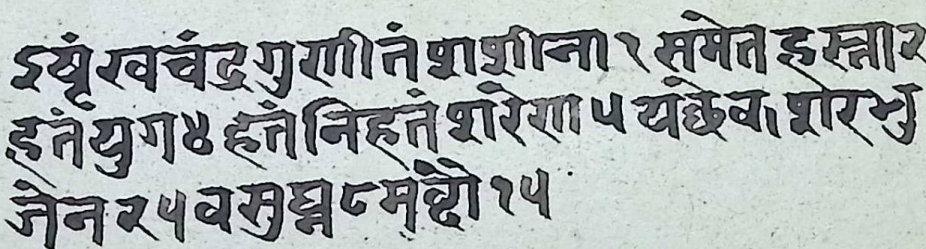

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh